

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50] नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 10, 1966 (अग्रहायण 19, 1888)  
No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 19, 1966 (AGRAHAYANA 19, 1888)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### नोटिस NOTICE

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 19 नवम्बर, 1966 तक प्रकाशित किये गये :—

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 19th November, 1966.

अंक Issue No.	संख्या और तारीख No. and Date	द्वारा जारी किया गया Issued by	विषय Subject
200	No. F. 3(49)-B/66 dated 16th Nov. 66. सं० एफ० 3 (49)-बी०/66 दिनांक 16 नवम्बर 1966	Ministry of Finance वित्त मंत्रालय	The Annual Financial statement for 1966-67. 1966-67 का वार्षिक वित्तीय विवरण ।
201	No. 2(1)-Tar/66 dated 19th Nov. 1966. सं० 2(1)-टैरिफ/66 दिनांक 19 नवम्बर 1966	Ministry of Commerce. वाणिज्य मंत्रालय	Recommendation of the Tariff Commission of its report on the review of protection to the Antimony Industry. टैरिफ आयोग की सिफारिशों के अनुमर्ण में मुर्मा उद्योग के संरक्षण पर सिफारिशें ।
	No. 15(1) Tar/66 dated 19th Nov. 1966. सं० 15(1) टैरिफ/66 दिनांक 19 नवम्बर 1966	Ministry of Commerce. वाणिज्य मंत्रालय	Recommendation of the Tariff Commission of its report on the continuance of protection to the the Piston Assembly Industry. टैरिफ आयोग की सिफारिशों के अनुमर्ण में पिस्टन संयोजन उद्योग के लिए संरक्षण जारी रखने के बारे में सिफारिशें ।
	No. 11(1)-Tar/66 dated 19th Nov. 1966. सं० 11(1)-टैरिफ/66 दिनांक 19 नवम्बर 1966	Ministry of Commerce. वाणिज्य मंत्रालय	Recommendations of the Tariff Commission of its report on the continuance of protection to the Sericulture Industry. टैरिफ आयोग की सिफारिशों के आधार पर रेशम उत्पादन संरक्षण जारी रखने के बारे में सिफारिशें ।
	No. 7(2) Tar/66 dated 19th Nov. 1966. सं० 7(2)-टैरिफ/66 दिनांक 19 नवम्बर 1966	Ministry of Commerce. वाणिज्य मंत्रालय	Recommendation of the Tariff Commission of its report on the continuance of protection to the cotton textile Machinery (spinning Ring Frames, spindles spinning rings Fluted Pollers and Automatic looms Industry). टैरिफ आयोग की सिफारिशों के आधार पर सूती वस्त्र मशीनों (कनाई रिंग फ्रेम, तकुख, कनाई रिंग फल्टेड रोलम तथा स्वचालित करघे) का संरक्षण जारी रखने के बारे में सिफारिशें ।
	No. 13(1)-Tar/66 dated 19th Nov. 1966. सं० 13(1)-टैरिफ/66 दिनांक 19 नवम्बर 1966	Ministry of Commerce. वाणिज्य मंत्रालय	Recommendation of the Tariff Commission of its report on the continuance of protection to the A.C.S.R. (Aluminium Conductor Steel Re-inforced) and A.A.C. All Aluminium Conductor Industry. टैरिफ आयोग की सिफारिशों के आधार पर ए० सी० एम० आर० (एल्युमिनियम कंडक्टर इस्पात संबलित) तथा ए० ए० सी० (केवल एल्युमिनियम कंडक्टर) उद्योग की संरक्षण जारी रखने के बारे में सिफारिशें ।

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांगपत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांगपत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तारीख से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

## विषय सूची (CONTENTS)

पृष्ठ (Pages)	पृष्ठ (Pages)
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधिवत नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .. .. .	849
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों तथा उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अपसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .. .. .	1081
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधिवत नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .. .. .	67
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अपसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं .. .. .	717
भाग II—खंड 1—विधिवत अध्यादेश और विनियम .. .. .	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रावधाननियमों की लिस्टें .. .. .	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य अर्थों के प्रणालियों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण विधम (जिनमें साधारण प्रणाली के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं) .. .. .	2171
भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य अर्थों के प्रणालियों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए अधिसूचनाएं .. .. .	3315
भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश .. .. .	—
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ-लोक-सेवा आयोग, रेल प्रणालन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं .. .. .	859
भाग III—खंड 2—एकसूत्र कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें .. .. .	451
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं .. .. .	155
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें सम्मिलित हैं .. .. .	939
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें .. .. .	237
पूरक सं० 50—	
26 नवम्बर 1966 को समाप्त होने वाले सप्ताह की मनुष्यी संबंधी साप्ताहिक रिपोर्ट .. .. .	1749
5 नवम्बर 1966 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु से संबंधित आंकड़े .. .. .	1761
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations and Orders issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	849
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	1081
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions, issued by the Ministry of Defence .. .. .	67
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .	717
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .. .	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SECTION (i)—General Statutory Rules, (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. .. .	2171
PART II—SECTION 3—SUB-SECTION (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. .. .	3315
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. .. .	—
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. .	859
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta .. .. .	451
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. .	155
PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .	939
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .. .	237
SUPPLEMENT No. 50—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 3rd December 1966 .. .. .	1749
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 11th November 1966 .. .. .	1761

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर निगमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से संबंधित अधिसूचनाएँ

**Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court**

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 नवम्बर 1966

सं० 83-प्रेज/66—राष्ट्रपति, उत्तर प्रदेश पुलिस के निम्नलिखित अधिकारी को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

**अधिकारी का नाम तथा पद**

श्री रघुबीर प्रसाद,  
पुलिस कान्स्टेबल सं० 279,  
मथुरा,  
उत्तर प्रदेश ।

**सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया**

26 मार्च, 1964 को एक असंगठित हैड कान्स्टेबल मथुरा के पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में गया और उन पर 410 मसकट से गोली चला दी । तब वह साथ वाले कमरे में गया जहाँ उसने उप-निरीक्षक नाथूराम शर्मा को जिन्होंने उस पर काबू पाने का प्रयत्न किया गोली चलाकर मार दिया । पुलिस अधीक्षक पर दूसरी बार गोली चलाने के परवान् जब हैड कान्स्टेबल ने बच निकलने का प्रयत्न किया तो कान्स्टेबल रघुबीर प्रसाद उसमें उलझ पड़ा तथा उसे उसका हथियार पुनः चलाने में रुकावट डाली । आक्रमणकारी रघुबीर प्रसाद को काफी दूर तक घसीट कर ले गया और बच निकलने के प्रयत्न में उसे बुरी तरह काटा । कान्स्टेबल रघुबीर प्रसाद ने हत्यारे को तब तक पकड़े रखा जब तक कि वह काबू न कर लिया गया ।

कान्स्टेबल रघुबीर प्रसाद ने एक ऐसे मजसूर व्यक्ति को जिसने अभी दो अधिकारियों को जान से मार दिया था, अकेले मुकाबिला कर महान् वीर्य-परायणता तथा उत्कृष्ट साहस का परिचय दिया ।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 26 मार्च, 1964 से दिया जाएगा ।

सं० 84-प्रेज/66—राष्ट्रपति, मध्य प्रदेश के निम्नांकित पुलिस अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

**अधिकारी का नाम तथा पद**

श्री यशवन्त सिंह घुरैया,  
सूबेदार, मध्य प्रदेश, पुलिस,  
जिला मुरैना, मध्य प्रदेश ।  
श्री राम चरण,  
पुलिस कान्स्टेबल सं० 602,  
जिला मुरैना,  
मध्य प्रदेश ।

**सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया**

25 नवम्बर, 1965 को दो दुश्मान डाकू जाहर सिंह और मुबासिया गोला के बारे में सूचना मिली कि वे कुंवर नदी के पास

वाजरे क्षेत्र में छुपे हैं । उनके पकड़ने के लिए पुलिस का टुकड़ीया भेजी गई । तत्कालीन विध के बावजूद जय पताराम मिश्र पर पुलिस की एक टुकड़ी पर वाजरे में अत्यन्त पास से गोली चलाई । इस अचानक हमले की वजह से कार्यरत हुए पुलिस की टुकड़ी आगे बढ़ी और जब वह वाजरे के काफी नजदीक पहुंच गई, तो मुबासिया गोला ने पुलिस का घेरा तोड़ कर भागना चाहा पर इसी बीच पुलिस की गोली से मार गिराया गया । तभी दूसरा डाकू जाहर सिंह खेतों में छुपते हुए देखा गया । इसको पकड़ने के लिए सूबेदार यशवन्त सिंह घुरैया की कमान में पुलिस की एक टुकड़ी भेजी गई । अचानक टुकड़ी जाहर सिंह के सामने पहुंची तो कान्स्टेबल राम चरण उसे निशाना करने के विचार से उस पर हापट पड़ा परन्तु बदले में डाकू ने कान्स्टेबल पर जोर से वार किया जिसके फलस्वरूप वह पीड़ा से चिल्लाते हुए गिर पड़ा । यह देख सूबेदार घुरैया डाकू से जूझ पड़ा । धम मुठभेड़ में डाकू ने श्री घुरैया के हाथ और जंजीरों का तांती से काट लिया तथा उसे गोली से मारना चाहा । सूबेदार घुरैया ने डाकू को कस कर पकड़े रखा परन्तु अन्त में डाकू ने अपने हाथों को छुड़ा लिया और भाग निकलने की कोशिश करते हुए पुलिस की गोली से मारा गया ।

सर्वश्री यशवन्त सिंह घुरैया और राम चरण ने मजसूर डाकू को जिन्दा पकड़ने के प्रयत्न में अपनी वीर्य-परायणता और उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया ।

2. ये पदक पुलिस नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिये जा रहे हैं तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 25 नवम्बर, 1965 से दिया जाएगा ।

सं० 85-प्रेज/66—राष्ट्रपति, राष्ट्रीय गुप्तवाता विभाग के निम्नांकित अधिकारियों को उनकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

**अधिकारी का नाम तथा पद**

श्री फीदो,  
कान्स्टेबल,  
गुप्तवाता विभाग,  
शिमला ।

**सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया**

21 जुलाई, 1965 को जब कि एक गश्ती दस्ता हिमाचल प्रदेश में एक नदी को पार कर रहा था तो एक लांस नायक का पांव फिसल जाने से वह नदी में गिर गया । कान्स्टेबल फीदो ने फौरन एक रस्सी लांसनायक को जोर फेंकी परन्तु वह उसे पकड़ न सका और तेज धारा से बह गया । यह देख कान्स्टेबल फीदो अपनी जान की बाकायदा समर्पण कर अपनी जान से कूद पड़ा और जल्दी-जल्दी तैर कर पहुंचने का प्रयत्न करने लगा तथा बड़ी कठिनाई से उसे पकड़ कर किनारे परी में उतारवा दिया । इसके पश्चात् अत्यन्त श्रम करने पर भी कान्स्टेबल फीदो ने अपनी कमर में एक रस्सी बांधी जो जान बचाकर किनारे परी में ही गिर गई थी, उसे तैरते हुए किनारे के जंगल की ओर पानी में कूद

पड़ा परन्तु बहुत खोज करने पर भी उसे राइफल नहीं मिली। कान्स्टेबल फ्रीदो ने विशिष्ट वीरता, पहल शक्ति एवं उच्चकोटि की कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत स्वीकृत विधि भत्ता भी दिनांक 21 जुलाई, 1965 से दिया जाएगा।

दिनांक 30 नवम्बर 1966

सं० 86-प्रेज/66—राष्ट्रपति, मद्रास राज्य के निम्नलिखित अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

#### अधिकारी का नाम तथा पद

श्री शिवरामकृष्णन्,  
पुलिस कान्स्टेबल सं० 408,  
कन्याकुमारी जिला,  
मद्रास।

#### सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

21 नवम्बर, 1965 की रात को पुलिस कान्स्टेबल शिवरामकृष्णन् को एक खतरनाक व्यक्ति को पकड़ने के लिए नियुक्त किया गया। श्री शिवरामकृष्णन् ने उस व्यक्ति को कुजितूरई में एक नाटकगृह के पास पाया और उसे अपने साथ थाने चलने के लिए कहा। रास्ते में उस व्यक्ति ने भागने के लिए कोशिश की और अचानक एक छुरा निकाल कर शिवरामकृष्णन् पर कई बार किए। अधिक रक्त निकलने तथा बुरी तरह घायल होने पर भी श्री शिवरामकृष्णन् ने अपराधी को नहीं छोड़ा और अन्त में कुछ राह चलते व्यक्तियों की सहायता से उसे पकड़ने में सफल हो गया। श्री शिवरामकृष्णन् ने अपने प्राणों की परवाह न कर, वीरता तथा कर्तव्य-परायणता का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4(i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है तथा फलस्वरूप नियम 5 के अन्तर्गत विशेष स्वीकृत भत्ता भी दिनांक 21 नवम्बर, 1965 से दिया जाएगा।

दिनांक 2 दिसम्बर 1966

सं० 87-प्रेज/66—राष्ट्रपति, प्रादेशिक सेना के निम्नांकित अधिकारी को सहाय्य सेवा के लिए 'प्रादेशिक सेना अलंकरण' प्रदान करते हैं :—

लेफ्टिनेंट कर्नल मूलचन्द्र श्रीवास्तव (टी० ए०—40317),  
आटिलरी।

दिनांक 3 दिसम्बर 1966

सं० 88-प्रेज/66—राष्ट्रपति, पंजाब के निम्नांकित पुलिस अधिकारी को उसकी वीरता के लिए पुलिस पदक प्रदान करते हैं :—

#### अधिकारी का नाम तथा पद

श्री चन्द्र कुमार साहनी, आई० पी० एम०,  
पुलिस अधीक्षक,  
भटिन्डा, पंजाब।

#### सेवाओं का विवरण जिनके लिए पदक प्रदान किया गया

12 दिसम्बर, 1965 की रात श्री चन्द्र कुमार साहनी, पुलिस अधीक्षक, भटिन्डा को सूचना मिली कि पाकिस्तानी छाता सैनिकों ने विलवां पुल पर एक पुलिस कान्स्टेबल को मार दिया। श्री साहनी तुरन्त एक छोटे पुलिस दल के साथ मौके पर पहुंचे तथा खोज दलों का स्वयं नेतृत्व किया। 13 दिसम्बर, 1965 को श्री साहनी छाता सैनिकों को एक खेत में खोज निकालने में सफल हो गए। जब पुलिस ने खेत को घेर लिया, तो छाता सैनिकों ने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। काफी देर तक दोनों ओर से गोली चलती

रही। जब यह धीमी पड़ गई तो श्री साहनी ने उन्हें आत्मसमर्पण के लिए कहा तो उनमें से आठ व्यक्तियों ने फौरन अपने हथियार डाल कर आत्मसमर्पण कर दिया। उनसे पूछताछ से पता चला कि अभी भी खेत में तीन और आदमी छिपे हैं। श्री साहनी ने पुनः उन्हें आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया किन्तु उन्होंने पुलिस दल पर गोलाबारी जारी रखी। उन पर केन्द्रित गोलाबारी का आदेश देकर श्री साहनी ने उन्हें भी आत्मसमर्पण के लिए विवश कर दिया। इस मुठभेड़ में श्री चन्द्र कुमार साहनी ने उच्चतर की वीरता और नेतृत्व का परिचय दिया।

2. यह पदक पुलिस पदक नियमावली के नियम 4 (i) के अन्तर्गत वीरता के लिए दिया जा रहा है।

वाई० डी० गण्डेविया, राष्ट्रपति के सचिव

#### लोक सभा सचिवालय

नई दिल्ली-1 दिनांक 30 नवम्बर 1966

सं० एफ० 21/3/66/टी०—लोक सभा के निम्नलिखित निर्वाचित सदस्यों ने 29 नवम्बर, 1966 के मध्याह्नोपरान्त से लोकसभा में अपने स्थानों का त्याग कर दिया है :—

- (1) श्री रवि नारायण आन्ध्र प्रदेश के नलगोंडा रेड्डी निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित।
- (2) श्री गुज्जुला यन्लमंदा आन्ध्र प्रदेश के मार्कापुर रेड्डी निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित।
- (3) श्री ये० ईश्वर रेड्डी आन्ध्र प्रदेश के कडप्पा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित।
- (4) श्रीमती वी० विमला आन्ध्र प्रदेश के एलुरु देवी निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित।

दिनांक 1 दिसम्बर 1966

सं० एफ० 21/3/66/टी०—लोकसभा के निम्नलिखित निर्वाचित सदस्यों ने 1 दिसम्बर 1966 के मध्याह्नोपरान्त से लोकसभा में अपने स्थानों का त्याग कर दिया है :—

- (1) श्री कोल्ला वैकैया—आन्ध्र प्रदेश के तेनालि निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित।
  - (2) श्री माडला नारायण—आन्ध्र प्रदेश के ओंगोल निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित स्वामी
- श्यामलाल शकधर, सचिव

#### उद्योग मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 दिसम्बर 1966

सं० 6-4/65-सीमेंट-1—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय के संकल्प सं० 6-4/65-सीमेंट-1, दिनांक 2 फरवरी 1966 के द्वारा गठित एस्बेस्टम सीमेंट उत्पाद उद्योग की नामिका के सदस्य श्री के० एल० भला के स्थान पर भारत सरकार एतद् द्वारा पूर्ति और निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली के कार्यालय में पूर्ति निदेशक (एस० एच० एस०) निदेशालय के श्री आई० एस० आहूजा को उसका सदस्य नियुक्त करती है तथा निदेश देती है कि उक्त संकल्प में निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा :—

- (1) "सदस्य" शीर्षक के अन्तर्गत क्रम सख्या 5 में विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा :—  
"5. श्री आई० एस० आहूजा, पूर्ति निदेशक (एस० एच० एस०) निदेशालय, पूर्ति और निपटान महानिदेशालय का कार्यालय, नई दिल्ली।"

आर० नटराजन, अवर सचिव

**खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता मंत्रालय  
(सहकारिता विभाग)**

**संकल्प**

नई दिल्ली, दिनांक 29 नवम्बर 1966

सं० एफ० 3-1/66-सी० एफ०—सहकारी खेती संबंधी कार्यकारी दल की सिफारिश पर भारत सरकार ने 5 जुलाई 1962 के अपने संकल्प संख्या एफ० 3-4/62-सी० एफ० द्वारा एक राष्ट्रीय सहकारी खेती सलाहकार बोर्ड की स्थापना की थी। बोर्ड का पुनर्गठन 17 अक्टूबर 1964 को किया गया था। बोर्ड की अवधि 30 सितम्बर 1966 को समाप्त हुई।

2. तदनुसार, भारत सरकार ने इस बोर्ड को 30 सितम्बर 1968 को समाप्त होनेवाली अवधि के लिए पुनर्गठित करने का निर्णय किया है।

3. पुनर्गठित बोर्ड का गठन निम्न प्रकार होगा :—

**अध्यक्ष**

1. मंत्री, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता, भारत सरकार, नई दिल्ली।

**उपाध्यक्ष**

2. श्री श्यामधर मिश्र, उपमंत्री, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता, भारत सरकार, नई दिल्ली।

**सदस्य**

3. श्री अन्ना साहिब पी० शिन्दे, उपमंत्री, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता, भारत सरकार, नई दिल्ली।
4. सहकारिता के कार्यकारी मंत्री, महाराष्ट्र सरकार।
5. सहकारिता के कार्यकारी मंत्री, मैसूर सरकार।
6. सहकारिता के कार्यकारी मंत्री, उड़ीसा सरकार।
7. सहकारिता के कार्यकारी मंत्री, पंजाब सरकार।
8. सहकारिता के कार्यकारी मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार।
9. श्री पी० आर० चक्रवर्ती, संसद्-सदस्य।
10. श्री मोहन एम० धारिया, संसद्-सदस्य।
11. प्रो० जी० पथसाराथी, सहकारिता तथा व्यावहारिक अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष, आन्ध्र विश्वविद्यालय, वाल्टेयर, आन्ध्र प्रदेश।
12. श्री जी० पी० जैन, सम्पादक 'सेवाग्राम', 1-दरियागंज, दिल्ली-6।
13. श्री गुरबख्श सिंह, प्रोग्रेसिव वर्कर्स कोऑपरेटिव क्लेक्टिव फार्मिंग सोसायटी लि०, ग्राम तथा डाकखाना खेमपुर, रामपुर (उत्तर प्रदेश)।
14. श्री एच० एम० पाटिल, विश्वनाथ कोऑपरेटिव ज्वाइंट फार्मिंग सोसायटी, धुलिया (महाराष्ट्र)।

15. श्री राधाकृष्ण, सर्व सेवा संघ, राजघाट, वाराणसी।

16. श्री भोला पस्वान, एम० एल० ए०, 20-बी, हार्डिंग रोड, पटना।

**सदस्य-सचिव**

17. आयुक्त, सहकारिता, सहकारिता विभाग, नई दिल्ली।

4. बोर्ड के विचारणीय विषय निम्नलिखित होंगे :—

- (1) स्वैच्छिक आधार पर सहकारी खेती कार्यक्रम का आयोजन करना और उसे बढ़ावा देना।
- (2) प्रगति की समीक्षा करना और जब कभी आवश्यक हो, कार्यक्रम में परिवर्तन सुझाना।
- (3) कार्यक्रम में लोगों का सहयोग प्राप्त करने के लिए उपाय सुझाना और उनकी पहल करने तथा नेतृत्व की भावना को बढ़ावा देना।
- (4) कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए अपेक्षित कार्यकर्ताओं की शिक्षा तथा प्रशिक्षण के प्रबन्ध हेतु सुझाव देना।
- (5) सहकारी खेती सम्बन्धी अध्ययनों और शोध-योजनाओं के आयोजन के बारे में सुझाव देना।
- (6) आवश्यकताओं का निर्धारण तथा वित्तीय सहायता के स्वरूप की सिफारिश करना।
- (7) तकनीकी देखभाल और मार्गदर्शन की समस्या का अध्ययन करना और उपयुक्त व्यवस्था सुझाना।
- (8) अन्तर्राज्य प्रगति और अनुभव में ताल-मेल स्थापित करना।
- (9) आवश्यकता पड़ने पर राज्य सरकारों तथा राज्य बोर्डों को उनकी योजनाएं तथा कार्यक्रम तैयार करने में सहायता देना।
- (10) ऐसे सम्बन्धित उपायों को अपनाना जो बोर्ड के विचारणीय विषयों के अनुसार सुसंगत हों।

5. सहकारी खेती कार्यक्रम की ओर प्रभावी देखभाल, मार्गदर्शन और पुनर्विलोकन मुनिश्चित करने के लिए बोर्ड की एक कार्यकारी समिति होगी, जिसमें निम्न व्यक्ति होंगे :—

**अध्यक्ष**

1. श्री श्यामधर मिश्र, उपमंत्री, खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकारिता।

**सदस्य**

2. सहकारिता के कार्यकारी मंत्री, महाराष्ट्र सरकार।
3. श्री पी० आर० चक्रवर्ती, संसद्-सदस्य।
4. श्री एच० एम० पाटिल, विश्वनाथ कोऑपरेटिव ज्वाइंट फार्मिंग सोसायटी, धुलिया (महाराष्ट्र)।
5. श्री जी० पी० जैन, सम्पादक, 'सेवाग्राम', 1, दरियागंज, दिल्ली-6।

**सदस्य-सचिव**

6. आयुक्त, सहकारिता, सहकारिता विभाग, नई दिल्ली।

6. बोर्ड के नियंत्रण और निदेशन में रहते हुए कार्यकारी समिति, बोर्ड के कार्यक्षेत्र में आनेवाले किसी भी मामले पर कार्य-वाही कर सकेगी।

7. कार्यकारी समिति या बोर्ड, सहकारी खेती के कार्यक्रम के विभिन्न पहलुओं पर कार्यवाही करने के लिए उप-समितियां नियुक्त कर सकता है। उप-समितियां विशिष्ट कार्यों के लिए उन व्यक्तियों को सहयोजित कर सकती हैं, जिन्हें समस्या की विशेष जानकारी हो या उपयुक्त व्यावहारिक अनुभव हो।

8. बोर्ड की बैठक छः महीनों में कम-से-कम एक बार अवश्य होगी। कार्यकारी समिति एवं उप-समितियों की बैठकें, जितनी बार आवश्यक हों, की जा सकेंगी।

9. बोर्ड, कार्यकारी समिति और उप-समिति की बैठकों में उपस्थित होने के अतिरिक्त, सदस्य सहकारी खेती समितियों तथा सहकारी खेती से सम्बन्धित प्रशिक्षण केंद्रों का दौरा भी कर सकते हैं, ताकि उनके कार्यचालन के बारे में वे पूरी जानकारी प्राप्त कर सकें और जहां-कहीं आवश्यक हो सुधार सुझा सकें।

10. वह व्यक्ति, जो बोर्ड में पदेन के रूप में अथवा किसी विशेष पद पर होने के नाते सदस्य नियुक्त हुआ हो, यदि वह उस पदेन पद अथवा नियुक्ति पर नहीं रहता है, जैसी भी स्थिति हो, तो वह स्वतः ही बोर्ड का सदस्य नहीं रहेगा। सभी आकस्मिक रिक्तियां उस प्राधिकारी या निकाय की सलाह से भरी जाएंगी, जिसने स्थान रिक्त करने वाले सदस्य को मनोनीत किया था।

11. वर्तमान बोर्ड की अवधि 30 सितम्बर 1968 को समाप्त होगी।

#### आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में आम जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाए।

एस० चक्रवर्ती, सचिव

#### PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 29th November 1966

No. 83-Pres./66.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Uttar Pradesh Police—

*Name of the officer and rank*

Shri Raghbir Prasad,  
Police Constable No. 279,  
Mathura, Uttar Pradesh.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 26th March, 1964, a disgruntled Head Constable of Mathura District went into the office of the Superintendent of Police, Mathura and shot the Superintendent of Police with a .410 musket. Thereafter he entered the adjoining room and shot and killed Sub-Inspector, Shri Nathu Ram Sharma who tried to overpower him. After firing another shot at the Superintendent of Police, the Head Constable tried to escape but Constable Raghbir Prasad grappled with him and prevented him from using his weapon again. The assailant, dragged Raghbir Prasad to a considerable distance and in his efforts to escape bit him severely. Constable Raghbir Prasad however hung on to the murderer till he was overpowered.

Constable Raghbir Prasad exhibited great devotion to duty and conspicuous courage in tackling single handed an armed man who had just killed two officers.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5 with effect from 26th March, 1964.

No. 84 Pres./66.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officers of the Madhya Pradesh Police:—

*Names of the officers and ranks*

Shri Yashwant Singh Ghuraiya,  
Subedar, Madhya Pradesh Police,  
District Morena,  
Madhya Pradesh.  
Shri Ram Charan,  
Police Constable No. 602,  
District Morena,  
Madhya Pradesh.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 25th September, 1965, information was received about the presence of two notorious dacoits, Jahar Singh and Mawasia Gola, in the Bajra fields near river Kunwari. Police parties were detailed to intercept the dacoits. At about 1645 hours one of the police parties was suddenly fired upon by the dacoits from very close range. Undeterred by the sudden attack, the police party continued its advance and when it was quite close to the dacoits, Mawasia Gola tried to escape by breaking through the police cordon, but was shot down by the police. Soon after the other dacoit Jahar Singh was noticed hiding in the Bajra fields. A small group of policemen under the command of Subedar Ghuraiya was sent to intercept the dacoit. When this group came face to face with Jahar Singh, Constable Ram Charan rushed at the dacoit with a view to disarming him. The dacoit, however, kicked the Constable as a result of which he fell down in severe pain. Subedar Ghuraiya grappled with the dacoit. In the hand to hand fight, the dacoit bit the Subedar on the hands and fingers and endeavoured to shoot him. Subedar Ghuraiya held on grimly but eventually the dacoit managed to disengage himself and was shot dead while trying to escape.

Sarvashri Yashwant Singh Ghuraiya and Ram Charan exhibited devotion to duty and conspicuous gallantry in attempting to capture the armed dacoit alive.

2. These awards are made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carry with them the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 25th September, 1965.

No. 85-Pres./66.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Central Intelligence Bureau, New Delhi:—

*Name of the officer and rank*

Shri Phedo,  
Constable,  
Intelligence Bureau,  
Simla.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the 21st July, 1965, when a patrol party was crossing a river in Himachal Pradesh, a Lance Naik lost his foothold and fell into the river. Constable Phedo immediately threw a rope towards the Lance Naik but he failed to catch it and was carried away by the swift current. Seeing this Constable Phedo jumped into the ice cold river without caring for his own life, and moving fast was able to catch up with the drowning Lance Naik. After a hard struggle Constable Phedo succeeded in bringing the Lance Naik ashore. Thereafter Constable Phedo, though very tired, tied a rope round his waist, again jumped into the river to try and retrieve the Lance Naik's rifle, but in spite of an intensive search, he failed to find the weapon. Constable Phedo exhibited conspicuous gallantry, initiative and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st July, 1965.

The 30th November 1966

No. 86-Pres./66.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Madras Police:—

*Name of the officer and rank*

Shri Sivaramakrishnan,  
Police Constable No. 408,  
Kanyakumari District,  
Madras.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the night of the 21st November, 1965, Shri Sivaramakrishnan, Police Constable, was deputed to locate a dangerous suspect. Shri Sivaramakrishnan spotted the wanted man near a theatre at Kuzhithurai and asked him to accompany him to the Police Station. On their way to the Police Station, the suspect in a desperate bid to escape whipped out a knife and inflicted multiple injuries on the Constable. Undeterred by the severe injuries and though bleeding profusely, Constable Sivaramakrishnan clung to the culprit and succeeded in arresting him with the help of some passers-by. Shri Sivaramakrishnan exhibited exemplary courage and devotion to duty of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal and consequently carries with it the special allowance admissible under rule 5, with effect from the 21st November 1965.

*The 2nd December 1966*

No. 87-Pres./66.—The President is pleased to confer the "TERRITORIAL ARMY DECORATION" for meritorious service on the undermentioned commissioned officer of the Territorial Army :—

Lieutenant Colonel MOOLCHAND SHIRIVASTAV  
(TA-40317), Artillery.

*The 3rd December 1966*

No. 88-Pres./66.—The President is pleased to award the Police Medal for gallantry to the undermentioned officer of the Punjab Police :—

*Name of the officer and rank*

Shri Chander Kumar Sawhney, I.P.S.,  
Superintendent of Police,  
Bhatinda, Punjab.

*Statement of services for which the decoration has been awarded.*

On the night of the 12th September, 1965, Shri Chander Kumar Sawhney, Superintendent of Police, Bhatinda, received information that Pakistani Paratroopers had killed a Constable at Dhillwan Bridge. Shri Sawhney immediately rushed to the spot with a small police party and personally led the search parties. On the 13th September, Shri Sawhney succeeded in locating the paratroopers in a field. As the police surrounded the field the paratroopers opened fire with automatic weapons. An exchange of fire then continued for a long time. When it slackened, Shri Sawhney ordered the paratroopers to surrender. Eight of them promptly threw up their arms and surrendered to the police. Interrogation of captured men revealed that three more were still hiding in the field. Shri Sawhney again ordered them to surrender but they continued firing at the police party. Ordering concentrated fire on them, Shri Sawhney forced them also to give themselves up.

In this encounter Shri Sawhney exhibited gallantry and leadership of a high order.

2. This award is made for gallantry under rule 4(i) of the rules governing the award of the Police Medal.

Y. D. GUNDEVIA, Secy. to the President.

### LOK SABHA SECRETARIAT

*New Delhi-1, the 30th November 1966*

No. F. 21/3/66/T.—The following elected Members of Lok Sabha have resigned their seats in Lok Sabha with effect from the afternoon of the 29th November, 1966 :—

- (1) Shri Ravi Narayan Reddi from Nalgonda Constituency of Andhra Pradesh.
- (2) Shri G. Yallamanda Reddy from Markapur Constituency of Andhra Pradesh.
- (3) Shri Y. Eswara Reddy from Cuddapah Constituency of Andhra Pradesh.
- (4) Shrimati V. Vinla Devi from Eluru Constituency of Andhra Pradesh.

*The 1st December 1966*

No. F. 21/3/66/T.—The following elected Members of Lok Sabha have resigned their seats in Lok Sabha with effect from the afternoon of the 1st December, 1966 :—

- (1) Shri Kolla Venkaiah from Tenali Constituency of Andhra Pradesh.
- (2) Shri Madala Narayana Swamy from Ongole Constituency of Andhra Pradesh.

S. L. SHAKDHER, Secy.

### PLANNING COMMISSION

#### RESOLUTION

*New Delhi, the 7th November 1966*

No. 25/65-ITD.—The Committee for Studies on Economic Development in India and Japan, as reconstituted vide Planning Commission Resolution No. 25/65-ITD dated the 25th April, 1966, has been further re-constituted as follows :—

*Chairman*

SHRI B. R. BHAGAT.

*Members*

Shri Lalji Mehrotra.

Shri Ramnath A. Podar.

Dr. D. K. Ghosh, Chief of Division, Planning Commission, will be the Secretary of the Committee.

#### ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments, all Chief Ministers of States, all Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the Cabinet Secretariat, the Private and Military Secretaries to the President and heads of all Indian Missions abroad.

ORDERED also that a copy be published in the Gazette of India.

K. A. P. STEVENSON, Jt. Secy.

### MINISTRY OF INDUSTRY

*New Delhi, the 21st November 1966*

No. 7-8/65 SSI(C).—In continuation of this Ministry's Notification No. 7/8/65-SSI(C) dated the 18th/25th July, 1966, the President is pleased to extend the duration of the Public Works Division referred to therein as follows :—

1. Southern S.S.I. Works Division, Madras—From 1st November, 1966 to 30th November, 1966.

I. G. MIRCHANDANI, Dy. Secy.

*New Delhi, the 2nd December 1966*

No. 6-4/65-CEMI.—The Government of India hereby appoints Shri I. S. Ahuja, Director of Supplies (SHM) Directorate, Office of D.G.S. & D., New Delhi, as member of the Panel on Asbestos Cement Products Industry constituted by the Resolution of the Government of India in Ministry of Industry No. 6-4/65-Cem.I dated the 2nd February, 1966 vice Shri K. L. Bhala and directs that the following amendment shall be made in the said resolution :—

- (i) the following shall be substituted in place of the existing entry at Serial No. 5 under the heading "Members" :—

"5. Shri I. S. Ahju, Director of Supplies (SHM) Directorate, Office of the D.G.S. & D. New Delhi."

R. NATARAJAN, Under Secy.

### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY PLANNING

(Department of Health)

#### RESOLUTION

*New Delhi, the 1st December 1966*

SUBJECT :—National School Health Council—Reconstitution of the—

No. F. 6-5/66-PH.—In para 1 of the Ministry of Health and Family Planning Resolution No. F. 6-3/66-PH dated the 7th April, 1966, on the above subject, after the existing item No. 55 add the following :—

#### Members

- (56) One representative of the Trained Nurses Association.
- (57) One representative of the Bhartiya Grameen Mahila Sangh.
- (58) One representative of the National Parent Teachers Association.
- (59) One representative of the National Council of Women in India.

#### ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be communicated to the Secretary to the President; the Prime Minister's Secretariat; the Rajya Sabha Sectt.; the Lok Sabha Sectt.; the Cabinet Sectt.; the Planning Commission; all Ministries of the Government of India; the Deptt. of Social Welfare; Department of Parliamentary Affairs; All State Governments; All Union Territories; the Directorate General of Health Services; the Director General of India Council of Medical Research; All members of the Council; the Accountant General Central Revenues, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

R. N. MADHOK, Jt. Secy.

### MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Co-operation)

#### RESOLUTION

*New Delhi-1, the 29th November 1966*

No. F. 3-1/66-C.F.—On the recommendation of the Working Group on Cooperative Farming, the Government of India had set up a National Cooperative Farming Advisory Board vide their Resolution No. F. 3-4/62-CF, dated the 5th July, 1962. The Board was reconstituted on 17th October, 1964. The term of the Board expired on 30th September, 1966.

2. The Government of India have accordingly decided to reconstitute the Board for a further period, ending 30th September, 1968.

3. The composition of the re-constituted Board will be as follows :—

*Chairman*

1. Minister for Food, Agriculture, Community Development & Co-operation, Government of India, New Delhi

*Vice-Chairman*

2. Shri S. D. Misra, Deputy Minister, Food, Agriculture, Community Development & Co-operation, Government of India, New Delhi.

*Members*

3. Shri Anna Sahib P. Shinde, Deputy Minister, Food, Agriculture, Community Development & Co-operation, Government of India, New Delhi.
4. Minister Incharge of Co-operation, Government of Maharashtra.
5. Minister Incharge of Co-operation, Government of Mysore.
6. Minister Incharge of Co-operation, Government of Orissa.
7. Minister Incharge of Co-operation, Government of Punjab.
8. Minister Incharge of Cooperation, Government of Uttar Pradesh.
9. Shri P. R. Chakravarti, M.P.
10. Shri Mohan M. Dharia, M.P.
11. Prof. G. Parthasarthy, Head of the Department of Co-operation and Applied Economics, Andhra University, Waltair, Andhra Pradesh.
12. Shri G. P. Jain, Editor, 'Sevagram', 1-Daryaganj, Delhi-6.
13. Shri Gurbaksh Singh, Progressive Workers' Cooperative Collective Farming Society Ltd., Village & P.O. Khempur, Rampur (U.P.).
14. Shri H. M. Patil, Vishwanath Cooperative Joint Farming Society, Dhulia (Maharashtra).
15. Shri Radhakrishna, Sarva Seva Sangh, Raj Ghat, Varanasi.
16. Shri Bhola Paswan, M.L.A., 20-B, Hardinge Road, Patna.

*Member-Secretary*

17. Commissioner, Cooperation, Department of Cooperation, New Delhi.

4. The following will be the terms of reference of the Board :—

- (i) To plan and promote the programme of cooperative farming on a voluntary basis.
- (ii) To review the progress and suggest modifications in the programme as and when necessary.
- (iii) To suggest measures for enlisting people's participation in the programme and fostering their initiative and leadership.
- (iv) To suggest arrangements for education and training of personnel required for implementing the programme.
- (v) To suggest organisation of studies and schemes of research relating to cooperative farming.
- (vi) To assess the requirements and to recommend the pattern of financial assistance.
- (vii) To study the question of technical supervision and guidance and suggest suitable arrangements.

- (viii) To coordinate inter-state developments and experience.

- (ix) To help State Governments and State Boards in formulating their schemes and programme, if necessary.

- (x) To undertake such cognate measures as are relevant to the pursuance of the terms of reference of the Board.

5. For ensuring more effective supervision and guidance and reviewing the programme of cooperative farming, the Board shall have an Executive Committee which will consist of the following :—

*Chairman*

- (1) Shri S. D. Misra, Deputy Minister, Food, Agriculture, Community Development & Cooperation.

*Members*

- (2) Minister Incharge of Co-operation, Government of Maharashtra.
- (3) Shri P. R. Chakravarti, M. P.
- (4) Shri H. M. Patil, Vishwanath Co-operative Joint Farming Society, Dhulia (Maharashtra).
- (5) Shri G. P. Jain, Editor 'Sevagram', 1-Daryaganj, Delhi-6.

*Member-Secretary*

- (6) Commissioner, Cooperation, Department of Co-operation, New Delhi.

6. Subject to the control and direction of the Board, the Executive Committee will be competent to deal with any matter within the competence of the Board.

7. The Executive Committee or the Board may appoint Sub-committees to deal with different aspects of the programme of cooperative farming. The Sub-committees may co-opt for specific purposes persons who have expert knowledge of the problem or appropriate field experience.

8. The Board shall meet at least once in six months. The Executive Committee and the Sub-committees, may meet as often as necessary.

9. In addition to attending meetings of the Board, the Executive Committee and the Sub-committee, the members may visit cooperative farming societies and training centres connected with cooperative farming so as to obtain an intimate knowledge of their working and suggest improvements wherever necessary.

10. A person who is appointed as a member of the Board in his *ex-officio* capacity or as the holder of a particular office shall automatically cease to be a member of the Board if he ceases to be *ex-officio* holder of the office or appointment as the case may be. All casual vacancies shall be filled in consultation with the authority or body which nominated the member whose place falls vacant.

11. The term of the present Board will expire on 30th September, 1968.

*ORDER*

ORDERED that copy of the Resolution be communicated to all concerned.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. CHAKRAVARTI, Secy.